अखिल भारतीय गंधर्व महाविद्यालय मंडल, (बंबई)

रजिस्ट्रेशन नं0 1444/1946-47-बंबई

प्रसन्नता का विषय है कि हमारे संगीत परिवार के उदयोन्मुख कलाकार श्री अश्वनीकुमार वर्मा हमारे भिलाई-संगीत परिवार में कंठ संगीत के शिक्षक पद पर कार्य कर अपने आप में एक कलाकार के साथ=साथ संगीत शिक्षत्व के पूर्णत्व की ओर अग्रसर हो रहे है ।

मुझे गौरव है कि 15 वर्ष का मेरा विद्यार्थी अब अपने पिता श्री रतनचंद वर्मा से ख्याल गायकी, ठुमरी, भजन, गजल आदि विधायों में दिनों दिन उन्नति कर रहा है। 15 वर्ष पूर्व का मेरा छात्र आज का मेरा सहयोगी बाल्यकाल से ही सदाचारी, अल्पभाषी, नियमों का पालन करने वाला, कठोर परिश्रमी रहा है । गत जुलाई 1978 से वह श्री दिगंबर संगीत विद्यालय में संगीत शिक्षक पद का कार्य सुचारू रूप से कर रहा है । अखिल भारतीय गंधर्व महाविद्यालय मंडल, बंबई द्वारा आयोजित "संगीत अलंकार" की परिक्षा उत्तीर्ण करने के साथ-साथ ही अ;भा·गां·वि· मंडल, बंबई द्वारा संचालित परिक्षा के पाठ्यक्रमानुसार प्रारंभिक से विशारद पूर्ण तक की सब परिक्षाओं के विद्यार्थियों को मार्ग दर्शन सुचारू रूप से करा रहा है ।

गत दो वर्ष पूर्व इस होनहार छात्र का चयन कलाकार के रूप में आकाशवाणी द्वारा हो चुका है । प्रारंभिक, प्रथम वर्ष छोटी कक्षा के नन्हें मुन्हो बालकों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन कर संगीत शिक्षा के साथ-साथ संगीत विषय में रूची बढ़ाने के आसान गुर (तरीके) भी इनके मृदु भाषा से बच्चों को प्रभावित करते है ।

छात्र जीवन में संगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाला अश्वनी आज परिक्षा के साथ-साथ संगीत प्रतियोगिता हेतु भी छात्र छात्राओं की तैयारी कर उन्हें उच्चतम स्थान प्राप्त कराने में सफलता प्राप्त किया है । इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं, कि अश्वनी कुमार वर्मा कलाकार एवं शिक्षक दोनों रूप में दिनों दिन उन्नति करें ।

शुभ कामनाओं के साथ ।

मुकुन्द हिरवे
संचालक